चतुर्थ

अध्याय

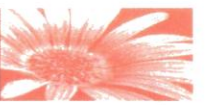

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं निष्कर्ष

अन्त में आपको 5 मिनिट का अतिरिक्त समय और दिया जाएगा। जिसमें आप किसी भी चित्र में नये विचारों को जोड़कर अतिरिक्त कार्य कर सकते है।

परीक्षण गणना –

इस परीक्षण का कोई भी उत्तर सही या गलत नहीं है गणना करने के लिए लम्बे समय और सावधानीपूर्वक अभ्यास की आवश्यकता होती है। अलग कार्य की गणना, विस्तारण एवं मौलिकता के आधार पर की जाती है प्रत्येक गतिविधि में दी गई आकृति को देखकर चित्र बनाना है तथा शीर्षक भी लिखना है शीर्षक में अंकन की व्यवस्था प्रत्येक रूप से की गई। इसमें भी विस्तार तथा मौलिकता के आधार पर गणना करनी है। मौलिकता के अंकन हेतु स्कोरिंग गाईड में उत्तर दिये गये है जिनको आधार मानकर अंकन करना है। विस्तारण एवं मौलिकता से प्राप्त रॉ स्कोर टी स्कोर में परिवर्तित कर सृजनात्मकता ज्ञात की जाती है।

3.2.3 शैक्षिक उपलब्धि

यदि समस्त शैक्षिक अवधारणाओं को शैक्षिक उपलब्धि के अर्थ में सम्मिलित माना जाय तो इस दृष्टि से सामान्य एवं व्यापक अर्थ में कोई भी व्यवहारिक परिवर्तन जो शिक्षा के द्वारा प्राप्त हो उसे भावी परिस्थितियों के साथ समायोजन करने में सक्षम बना सके शैक्षिक उपलब्धि कहलाता है। किन्तु विशिष्ट रूप में शैक्षिक उपलब्धि का अर्थ छात्र में विद्या अर्जन की कुशलता के विकास तथा उसके समुचित प्रयोग मे लिया जाता है। साधारणतः जब शैक्षिक उपलब्धि शब्द का प्रयोग किया जाता है। तब उसका अभिप्रायः किसी भी छात्र द्वारा किसी शैक्षणिक स्तर की परीक्षा में प्राप्तांको के प्रतिशत से लगाया जाता है।

शैक्षिक उपलब्धि वह परीक्षाएँ हैं जिनकी सहायता से विद्यालय में पढ़ाये जाने वाले विषयों और सिखाई जाने वाली कुशलताओं में छात्रों की सफलता या उपलब्धि का ज्ञान प्राप्त किया जाता है।

इसे वार्षिक परीक्षा के द्वारा अंको के रूप में आँका जाता है, इसे ही उपलब्धि अंक कहते है। शिक्षक उपलब्धि परीक्षण द्वारा समय–समय पर यह जानने का प्रयास करता है, कि छात्र ने कक्षा में दिये गये ज्ञान को किस सीमा तक आत्मसात किया है। शिक्षा के उद्देश्यों तथा लक्ष्यों की प्राप्ति में वह कहाँ तक सफल हुआ है।

3.3.0 सांख्यिकीय प्रविधियाँ

शोधकर्ता द्वारा एस.पी.एस.एस. (SPSS) सॉफ्टवेयर का प्रयोग करते हुए प्रदत्तों का विश्लेषण किया गया है एवं निम्नलिखित सांख्यिकीय प्रविधियों का प्रयोग किया गया है।

1) मध्यमान
2) माध्यिका
3) मानक विचलन
4) 't' –परीक्षण

उपसंहार

प्रस्तुत अध्याय में शोध प्रविधि पर विस्तृत चर्चा की गयी है जिसके अन्तर्गत शोध प्रारूप का विवरण दिया गया है। न्यादर्श का चयन किस प्रकार किया गया? प्रदत्त संकलन हेतु किस मानक परीक्षण का प्रयोग किया ? परीक्षण का प्रशासन किस प्रकार किया गया? परीक्षण की जांच कर उनकी स्कोरिंग किस प्रकार तथा प्रदत्त विश्लेषण हेतु किन–किन सांख्यिकीय प्रविधियों का प्रयोग किया गया? इन सभी प्रश्नों पर प्रकाश डाला गया है।

=======***=======

चतुर्थ - अध्याय
प्रदत्तों का विश्लेषण एवं निष्कर्ष

4.1.0 भूमिका

तृतीय अध्याय में शोध प्रविधि का निर्धारण और प्रदत्तों के संकलन पर प्रकाश डाला गया था। इन प्रदत्तों को अर्थपूर्ण बनाने हेतु प्रदत्तों का विश्लेषण किया जाता है अतः चतुर्थ अध्याय में प्रदत्तों के उद्देश्वार सांख्यिकी विश्लेषण पर चर्चा की गयी है। विश्लेषण का मुख्य उद्देश्य एकत्रित प्रदत्तों से नवीन तथ्यों को प्राप्त करना है इस हेतु सर्वप्रथम प्रदत्तों का वर्गीकरण एवं सारणीयन किया गया है। तत्पश्चात् निर्मित परिकल्पनाओं की वैज्ञानिक विधि से जांच की गयी। प्रत्येक परिकल्पना को सांख्यिकी रूप से जाँचा गया तथा परिकल्पनाओं को स्वीकृत अथवा अस्वीकृत किया गया। परीक्षण के मध्यमानों में अंतर की जाँच के लिए 'टी' परीक्षण का प्रयोग किया गया है। उद्देश्यवार विश्लेषण कर निष्कर्ष एवं परिणाम पर प्रकाश डाला गया।

4.2.0 उद्देश्यवार प्रदत्तों का विश्लेषण

उद्देश्य –1 विद्यार्थियों की भाषा योग्यताओं को जानने का अध्ययन करना।

परिकल्पना –1 विद्यार्थियों की भाषा योग्यताओं को जानने के मध्यमानों में सार्थक अंतर नहीं है।

सारणी क्रमांक 4.1

विद्यार्थियों की भाषा योग्यताओं के मध्यमानों, मानक विचलन, मानक त्रुटि एवं ('t') के गणना द्वारा प्राप्त मान को प्रदर्शित करती सारणी

समूह	चर	न्यादर्श	df	मध्यमान	मानक विचलन	मानक त्रुटि	t का सारणी मान. 05 स्तर	गणना द्वारा t का मान	निष्कर्ष
मदरसा	भाषा योग्यता	100	98	34.10	3.342	1.540	1.99	2.500	सार्थक अंतर नहीं है
सृजनात्मकता				36.25	4.190				

निष्कर्ष –

उपरोक्त सारणी क्र.4.1 से 't' का गणना द्वारा प्राप्त मान 2.500 पाया गया जो 98 df पर श्जश के .05 स्तर के सारणी मान 1.99 से कम है। अतः दोनों समूहों मदरसा तथा सृजनात्मकता के विद्यार्थियों की भाषा योग्यताओं के मध्यमानों में सार्थक अंतर नहीं है। अतः उर्पयुक्त परिकल्पना विद्यार्थियों की भाषा योग्यताओं को जानने के मध्यमानों में सार्थक अंतर नहीं है। स्वीकृत की जाती है।

आरेख क्रमांक 4.1

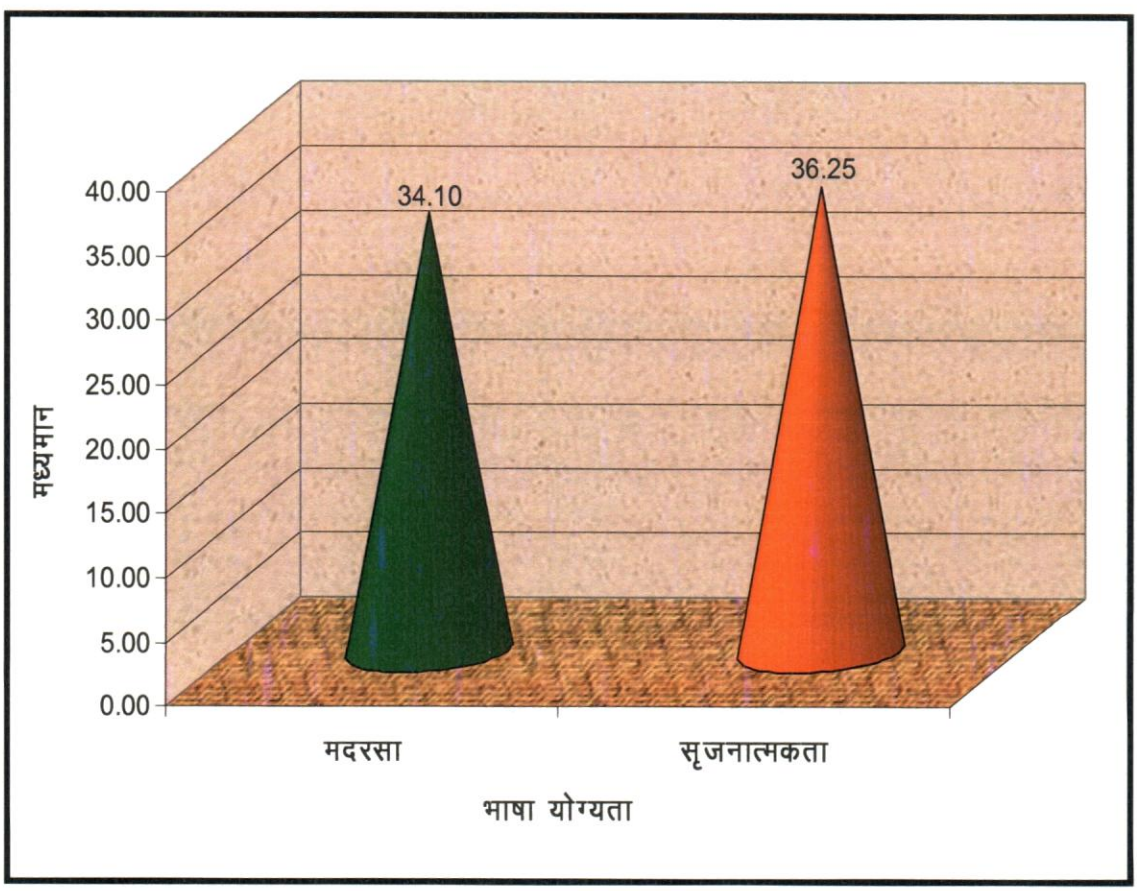

विद्यार्थियों की भाषा योग्यताओं के मध्यमानों का ग्राफीय निरूपण

उद्देश्य –2 विद्यार्थियों की भाषागत सृजनात्मकता का अध्ययन करना।

परिकल्पना –2 विद्यार्थियों की भाषागत सृजनात्मकता के मध्यमानों में सार्थक अंतर नहीं है।

सारणी क्रमांक 4.2

विद्यार्थियों की भाषागत एवं सृजनात्मकता के मध्यमानों, मानक विचलन, मानक त्रुटि एवं ('t') के गणना द्वारा प्राप्त मान को प्रदर्शित करती सारणी

समूह	चर	न्यादर्श	df	मध्यमान	मानक विचलन	मानक त्रुटि	t का सारणी मान. 05 स्तर	गणना द्वारा t का मान	निष्कर्ष
मदरसा	भाषागत सृजनात्मकता	100	98	25.12	4.338	1.543	1.99	2.630	सार्थक अंतर नहीं है
सृजनात्मकता				28.28	4.180				

निष्कर्ष –

उपरोक्त सारणी क्र.4.2 से 't' का गणना द्वारा प्राप्त मान 2.630 पाया गया जो 98 df पर 't' के 0.05 स्तर के सारणीमान 1.99 से अधिक है। अतः दोनों समूहों मदरसा तथा सृजनात्मकता के मध्यमानों में सार्थक अंतर है। अतः उर्पयुक्त परिकल्पना विद्यार्थियों की भाषागत सृजनात्मकता के मध्यमानों में सार्थक अंतर नहीं है। निरस्त की जा सकती है।

आरेख क्रमांक 4.2

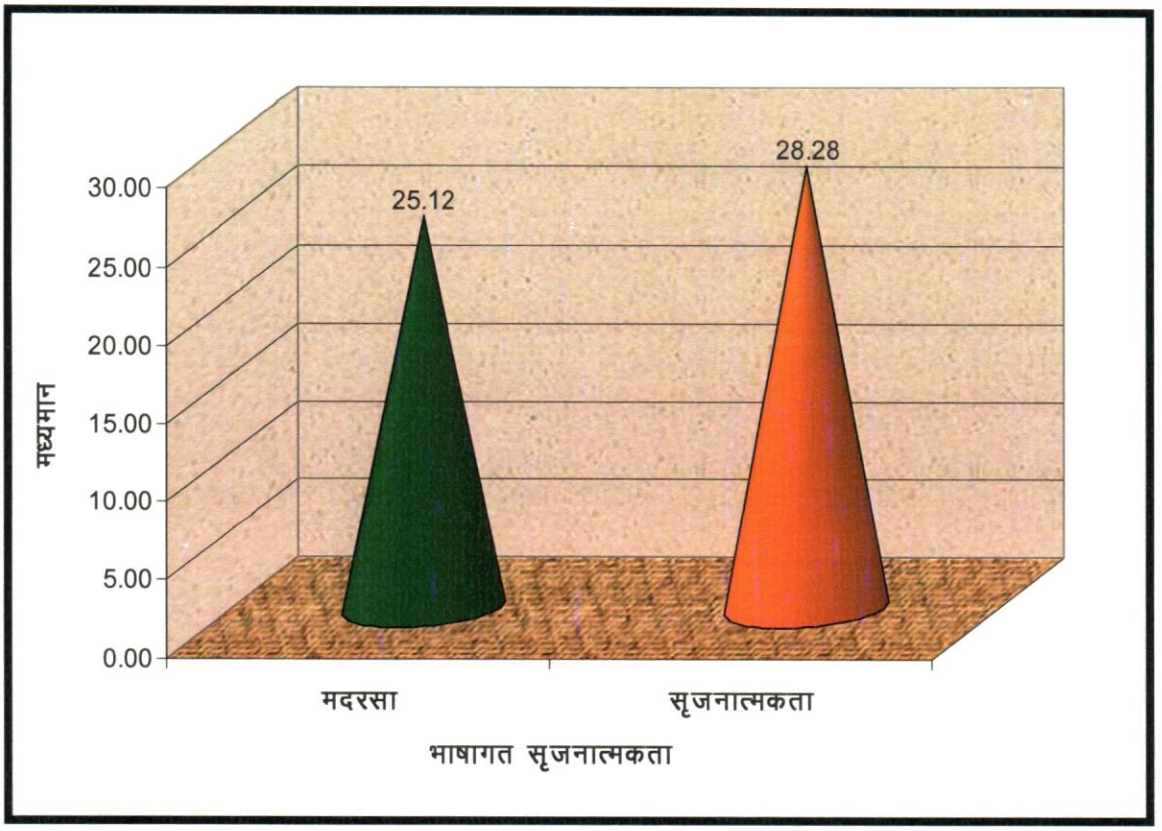

विद्यार्थियों की भाषागत एवं सृजनात्मकता के मध्यमानों

का ग्राफीय निरूपण

उद्देश्य –3 विद्यार्थियों की भाषा योग्यता एवं सृजनात्मकता के मध्य सह–संबंध का अध्ययन करना।

परिकल्पना –3 विद्यार्थियों की भाषा योग्यता एवं सृजनात्मकता के मध्य सार्थक सह–संबंध नहीं है।

सारणी क्रमांक 4.3

विद्यार्थियों की भाषा योग्यता एवं सृजनात्मकता के मध्य सह–संबंध 'r' का मान को प्रदर्शित करती सारणी

स्मूह	चर	न्यादर्श	df	सह–संबंध गुणांक का मान 'r'	सारणी मान 0.05 स्तर पर	निष्कर्ष
मदरसा सृजनात्मकता	भाषागत योग्यता	100	98	0.0196	0.065	सार्थक सह संबंध नहीं है।

निष्कर्ष –

उपरोक्त सारणी क्र. 4.3 से 'r' का गणना द्वारा प्राप्त मान 0.0196 पाया गया। जो कि 'r' के 98 df पर 0.05 स्तर के सारणीमान 0.065 से कम पाया गया। अतः विद्यालय के प्रकार का विद्यार्थियों की भाषागत एवं सृजनात्मकता में सार्थक सह–संबंध नहीं है। अतः उपुर्यक्त परिकल्पना विद्यार्थियों की भाषा योग्यता एवं सृजनात्मकता के मध्य सार्थक सह–संबंध नहीं है। स्वीकृत की जाती है अतः चरों के मध्य सार्थक सह–संबंध नहीं है।

आरेख क्रमांक 4.3

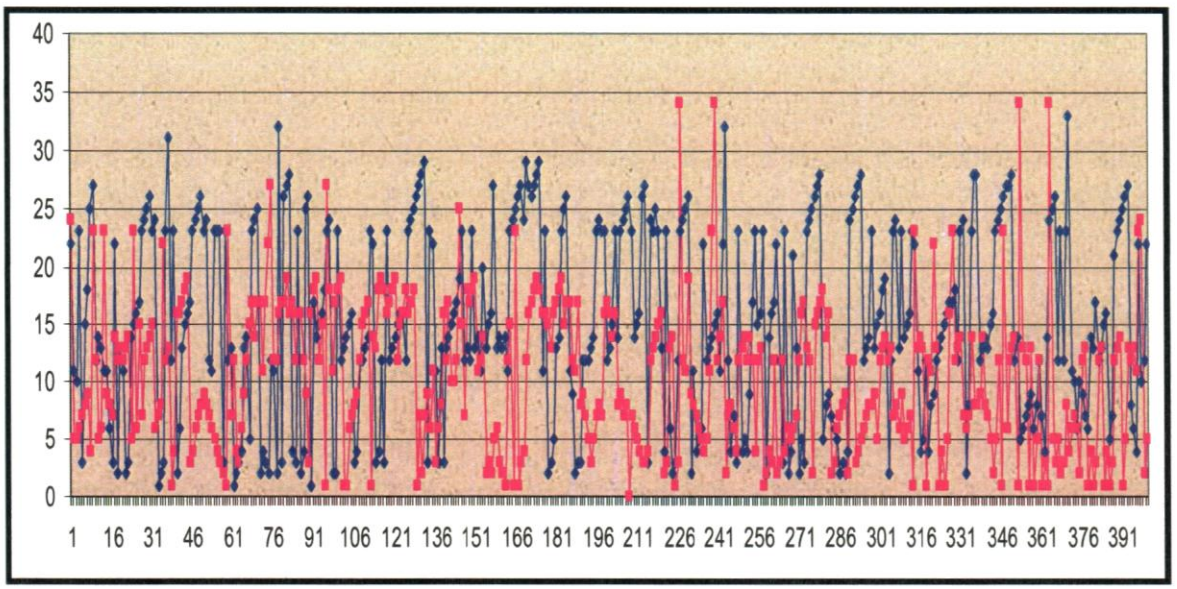

विद्यार्थियों की भाषा योग्यता एवं सृजनात्मकता के मध्य सह–संबंध का ग्राफीय निरूपण

उपसंहार

प्रस्तुत अध्याय में प्रदत्तों को एकत्रित करने के पश्चात् सांख्यिकी विश्लेषण किया गया है। प्रदत्तों का वर्गीकरण एवं सारणीयन करने के बाद परिकल्पनाओं की सत्यता की जाँच हेतु 't' परीक्षण मध्यमान एवं प्रमाणिक विचलन का प्रयोग किया गया है। परिकल्पनाओं की सत्यता की जाँच के आधार पर निष्कर्ष निकाले गये है।

=======***=======